IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

मृत्युगंध : सुषमा मुनीन्द्र

श्वेता पाण्डेय[1] and **डॉ. अमित शुक्ला**[2]

शोधार्थी, शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]

प्राध्यापक (हिन्दी), शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[2]

शोध सारांश :

इस कहानी में एक पात्र है जिसका नाम निर्गुण साकल्ले है। निर्गुण साकल्ले की पत्नी का नाम बुलाकी है। निर्गुण साकल्ले पहली नियुक्ति पर आदिवासी क्षेत्र में आए हैं। इस आदिवासी क्षेत्र में एक–दूसरे के अगल–बगल दो बंगले बने हुए हैं। एक में निर्गुण साकल्ले अपनी पत्नी के साथ रहते हैं और दूसरे बंगले में मजिस्ट्रेट खान सपरिवार सहित रहते हैं। इस समय मजिस्ट्रेट खान अपने पिता के निधन पर परिवार सहित कामठी चले गए हैं। निर्गुण की पत्नी बुलाकी गर्भवती है तो वह मां के साथ चली गई है। कभी भी शुभ समाचार मिल सकता है। दोनों बंगलों के सामने बहुत बड़ा मैदान है। इसी मैदान पर एक–डेढ़ महीने से एक बंजारा परिवार तम्बू गाड़े पड़ा रहता है। जब बसंत पंचमी में इस मैदान पर मेला लगता है और जब कभी प्रदर्शनी लगती है तो खूब चहल–पहल रहती है। ये जो दोनों बंगले हैं बहुत ही पुराने और बड़े हैं। बंगले में ही कच्चे आंगन में एक बहुत बड़ा पीपल का पेड़ है। जिस पर बैजू कहता है कि इसमें प्रेत रहते हैं लेकिन अच्छे लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाते। इस शोध पत्र में कहानी के परिप्रेक्ष्य में जानने का मुख्य प्रयास है।

मुख्य शब्द : साकल्ले, निर्गुण, पत्नी, बुलाकी, नियुक्ति, आदिवासी, क्षेत्र बारिश साहसी, निर्भीक आदि।

संदर्भ स्रोत :–

(1) सुषमा मुनीन्द्र, कहानी मुत्युगंधा, पृष्ठ संख्या 15
(2) वही '' पृष्ठ संख्या ''
(3) सुषमा मुनीन्द्र, मुत्युगंधा, पृष्ठ संख्या 20
(4) '' '' '' पृष्ठ संख्या 35
(5) वही पृष्ठ संख्या 30
(6) वही पृष्ठ संख्या 32
(7) सुषमा मुनीन्द्र, विजय स्तम्भ, पृष्ठ संख्या 40
(8) '' '' '' '' पृष्ठ संख्या 55, 56
(9) सुषमा मुनीन्द्र, विजय स्तम्भ, पृष्ठ संख्या 58

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

(10) वही पृष्ठ संख्या 58